Part – 2
Class – XII
Sub – Hindi (Core)

विभिन्न माध्यमों के लिए पत्रकारीय लेखन और उसके विविध आयाम

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1:

पत्रकारिता के विभिन्न पहलू कौन-कौन-से हैं?

उत्तर –

पत्रकारिता के विभिन्न पहलू हैं-

1. समाचारों का संकलन,
2. उनका संपादन कर छपने योग्य बनाना,
3. उन्हें पत्र-पत्रिकाओं में छापकर पाठकों तक पहुँचाना आदि।

प्रश्न 2:

पत्रकार किसे कहते हैं?

उत्तर –

समाचार-पत्रों, पत्र-पत्रिकाओं में छपने के लिए लिखित रूप में सामग्री देने, सूचनाएँ और समाचार एकत्र करने वाले व्यक्ति को पत्रकार कहते हैं।

प्रश्न 3:

संवाददाता के प्रमुख कार्यों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर –

संवाददाता का प्रमुख कार्य विभिन्न स्थानों से खबरें लाना है।

प्रश्न 4:

संपादक के कार्य लिखिए।

उत्तर –

संपादक संवाददाताओं तथा रिपोर्टरों से प्राप्त समाचार-सामग्री की अशुद्धयाँ दूर करते हैं तथा उसे त्रुटिहीन बनाकर प्रस्तुति के योग्य बनाते हैं। वे रिपोर्ट की महत्वपूर्ण बातों को पहले तथा कम महत्व की बातों को अंत में छापते हैं तथा समाचार-पत्र की नीति, आचार-संहिता और जन-कल्याण का विशेष ध्यान रखते हैं।

प्रश्न 5:

किन गुणों के होने से कोई घटना समाचार बन जाती है?

उत्तर –

नवीनता, लोगों की रुचि, प्रभाविकता, निकटता आदि तत्वों के होने से घटना समाचार बन जाती है।

प्रश्न 6:

पत्रकारिता किस सिदधांत पर कार्य करती है?

उत्तर –

पत्रकारिता मनुष्य की सहज जिज्ञासा शांत करने के सिद्धांत पर कार्य करती है।

प्रश्न 7:

पत्रकारिता के प्रमुख प्रकार कौन-से हैं?

उत्तर –

पत्रकारिता के कई प्रमुख प्रकार हैं। उनमें से खोजपरक पत्रकारिता, वॉचडॉग पत्रकारिता और एडवोकेसी पत्रकारिता प्रमुख हैं।

प्रश्न 8:

समाचार किसे कहते हैं?

उत्तर –

समाचार किसी भी ऐसी घटना, विचार या समस्या की रिपोर्ट होता है, जिसमें अधिक-से-अधिक लोगों की रुचि हो और जिसका अधिकाधिक लोगों पर प्रभाव पड़ रहा हो।

प्रश्न 9:

संपादन का अर्थ बताइए।

उत्तर –

संपादन का अर्थ है-किसी सामग्री से उसकी भाषा-शैली, व्याकरण, वर्तनी एवं तथ्यात्मक अशुद्धयों को दूर करते हुए पठनीय बनाना।

प्रश्न 10:

पत्रकारिता की साख बनाए रखने के लिए कौन-कौन-से सिदभांत अपनाए जाते हैं?

उत्तर –

पत्रकारिता की साख बनाए रखने के लिए निम्नलिखित सिद्धांत अपनाए जाते हैं

1. तथ्यों की शुद्धता,
2. वस्तु परखता,
3. निष्पक्षता,
4. संतुलन, और
5. स्रोत।

प्रश्न 11:

किन्हीं दो राष्ट्रीय समाचार-पत्रों के नाम लिखिए।

उत्तर –

1. नवभारत टाइम्स (हिंदी)
2. हिंदुस्तान (हिंदी)

प्रश्न 12:

समाचार-पत्र संपूर्ण कब बनता है?

उत्तर –

जब समाचार-पत्र में समाचारों के अलावा विचार, संपादकीय, टिप्पणी, फोटो और कार्टून होते हैं तब समाचार-पत्र पूर्ण बनता है।

प्रश्न 13:

खोजपरक पत्रकारिता किसे कहते हैं?

उत्तर –

सार्वजानिक महत्व के भ्रष्टाचार और अनियमितता को लोगों के सामने लाने के लिए खोजपरक पत्रकारिता की मदद ली जाती है। इसके अंतर्गत छिपाई गई सूचनाओं की गहराई से जाँच की जाती है। इसके प्रमाण एकत्र करके इसे प्रकाशित भी किया जाता है।

प्रश्न 14:

वॉचडॉग पत्रकारिता क्या है?

उत्तर –

जो पत्रकारिता सरकार के कामकाज पर निगाह रखती है और कोई गड़बड़ी होते ही उसका परदाफ़ाश करती है, उसे वॉचडॉग पत्रकारिता कहते हैं।

प्रश्न 15:

एडवोकेसी पत्रकारिता किसे कहते हैं?

उत्तर –

जो पत्रकारिता किसी विचारधारा या विशेष उद्देश्य या मुद्दे को उठाकर उसके पक्ष में जनमत बनाने के लिए लगातार और जोर-शोर से अभियान चलाती है, उसे एडवोकेसी पत्रकारिता कहते हैं।

प्रश्न 16:

वैकल्पिक पत्रकारिता किसे कहते हैं?

उत्तर –

जो मीडिया स्थापित व्यवस्था के विकल्प को सामने लाने और उसके अनुकूल सोच को अभिव्यक्त करते हैं, उसे वैकल्पिक पत्रकारिता कहते हैं।

प्रश्न 17:

पेज थ्री पत्रकारिता क्या है?

उत्तर –

पेज श्री पत्रकारिता का आशय उस पत्रकारिता से है, जिसमें फ़ैशन, अमीरों की बड़ी-बड़ी पार्टियों, महफ़िलों तथा लोकप्रिय लोगों के निजी जीवन के बारे में बताया जाता है। ऐसे समाचार सामान्यत: समाचार-पत्र के पृष्ठ तीन पर प्रकाशित होते हैं।

प्रश्न 18:

पत्रकारीय लेखन किसे कहते हैं?

उत्तर –

पत्रकार अखबार या अन्य समाचार माध्यमों के लिए लेखन के विभिन्न रूपों का इस्तेमाल करते हैं, इसे पत्रकारीय लेखन कहते हैं।

प्रश्न 19:

स्वतंत्र या फ्री-लांसर पत्रकार किसे कहा जाता है?

उत्तर –

फ्री-लांसर पत्रकार को स्वतंत्र पत्रकार भी कहा जाता है। ये किसी विशेष समाचार-पत्र से संबद्ध नहीं होते। ये किसी भी समाचार-पत्र के लिए लेखन करके पारिश्रमिक प्राप्त करते हैं।

प्रश्न 20:

पत्रकारीय लेखन संबंधी भाषा की विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर –

पत्रकारीय भाषा सीधी, सरल, साफ़-सुथरी परंतु प्रभावपूर्ण होनी चाहिए। वाक्य छोटे, सरल और सहज होने चाहिए। भाषा में कठिन और दुरूह शब्दावली से बचना चाहिए, ताकि भाषा बोझिल न हो।

प्रश्न 21:

समाचार-लेखन की कितनी शैलियाँ होती हैं?

उत्तर –

समाचार-लेखन की दो प्रमुख शैलियाँ होती हैं-

1. सीधा पिरामिड शैली,
2. उलटा पिरामिड शैली।

प्रश्न 22:

सीधा पिरामिड शैली की विशेषताएँ बताइए।

उत्तर –

सीधा पिरामिड शैली में सबसे महत्वपूर्ण समाचार (घटना, समस्या, विचार के सबसे महत्वपूर्ण अंश) को पहले पैराग्राफ में लिखा जाता है। इसके बाद कम महत्वपूर्ण समाचार की जानकारी दी जाती है।

प्रश्न 23:

उलटा पिरामिड शैली (इंवर्टेड पिरामिड शैली) से आप क्या समझते हैं?

उत्तर –

यह समाचार-लेखन की सबसे लोकप्रिय, उपयोगी और बुनियादी शैली है। यह कहानी या कथा लेखन शैली की ठीक उलटी होती है। इसमें आधार ऊपर और शीर्ष नीचे होता है। इसमें शुरू में समापन, मध्य में बॉडी और अंत में मुखड़ा होता है।

प्रश्न 24:

समाचार-लेखन के छह ककारों के नाम लिखिए।

उत्तर –

क्या, कौन, कहाँ, कब, क्यों और कैसे-ये समाचार-लेखन के छह ककार हैं।

प्रश्न 25:

समाचार-लेखन में छह ककारों का महत्व क्या है?

उत्तर –

किसी समाचार को लिखते समय मुख्यत: छह सवालों के जवाब देने की कोशिश की जाती है। समाचार लिखते समय क्या हुआ, किसके साथ हुआ, कहाँ हुआ, कब हुआ, कैसे और क्यों हुआ का उत्तर दिया जाता है।

प्रश्न 26:

समाचारों के मुखड़े (इंट्रो) में किन ककारों का प्रयोग किया जाता है?

उत्तर –

समाचारों के मुखड़े (इंट्रो) में तीन या चार ककारों-क्या, कौन, कब और कहाँ-का प्रयोग किया जाता है, क्योंकि ये सूचनात्मक और तथ्यों पर आधारित होते हैं।